(प्रेस विज्ञप्ति)

जब बिहार में इतनी अच्छी तकनीकी शिक्षा मिल रही है तो बाहर जाने की आवश्यक्ता नहीं – राज्यपाल

रोजगार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बने छात्र

सिमेज कॉलेज द्वारा युवा दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया 'इंस्पायरो 2024' कार्यक्रम

प्रेरणादायक सत्र से छात्र हुए उर्जान्वित

पद्मश्री शेखर सेन द्वारा विवेकानन्द पर आधारित नाटक का किया गया मंचन

पद्मजीत सहरावत ने अपने संगीतमय कार्यक्रम, म्युज़िक टॉकशाला, से लोगों का किया मनोरंजन

सिमेज कॉलेज द्वारा दिनाँक 12 जनवरी (शुक्रवार) को स्वामी विवेकानन्द जी के जयंती - युवा दिवस तथा वर्ष 2023 में नामांकित छात्रों के फ्रेशर्स डे के अवसर पर एक कार्यक्रम 'इंस्पायरो 2024' का आयोजन किया गया | कार्यक्रम का आयोजन 'श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल, गांधी मैदान के निकट, पटना' में किया गया | कार्यक्रम का उदघाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तथा बिहार के माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र आर्लेकर द्वारा किया गया | कार्यक्रम में पाटलीपुत्रा विश्वविद्यालय के वाईस चांसलर डॉ० प्रो० आर०के० सिंह भी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे | कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया | दुसरे सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में श्री अशोक चौधरी, माननीय कैबिनेट मंत्री – भवन निर्माण विभाग, बिहार सरकार तथा श्री संजय पासवान, सदस्य बिहार विधान परिषद तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री भी मौजूद थे |

इस अवसर पर मौजूद छात्रों को संबोधित करते हुए बिहार के माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र आर्लेकर ने सिमेज समूह के सफलताओं की सराहना की | उन्होंने कहा कि यदि बिहार के बाहर जाना है तो जायेंगे लेकिन शिक्षा बिहार में ही पाएंगे | उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत का नाम विकसित देशों की सूची में आना है और इसमें युवाओं की महत्ती भूमिका है | उन्होंने कहा कि युवाओं से मुझे प्रेरणा मिलती है | उन्होंने छात्रों को आगे भी ऐसी ही सफलताओं को हासिल करने के लिए प्रेरित किया तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनायें दी | उन्होंने छात्रों को कहा कि स्वामी विवेकानन्द जि के जीवन से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए | उन्होंने सिमेज के उद्यमिता के क्षेत्र में करियर बनाने वाले छात्रों का जिक्र करते हुए कहा छात्रों को जॉब सीकर बनने की बजाय जॉब प्रोवाइडर बनना चाहिए |

वहीँ इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए पाटलीपुत्रा विश्वविद्यालय के वाईस चांसलर डॉ० प्रो० आर०के० सिंह ने सिमेज समूह की उपलब्धियों की प्रशंसा की और उम्मीद जाहिर की कि भविष्य में भी सिमेज समूह के छात्र ऐसी ही सफलताएँ हासिल करते रहेंगे | वहीँ इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए श्री अशोक चौधरी, माननीय कैबिनेट मंत्री – भवन निर्माण विभाग, बिहार सरकार ने भी सिमेज की उपलब्धियों की तारीफ की और अपनी शुभकामनायें दी | जबकि वहां उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए श्री संजय पासवान, सदस्य बिहार विधान परिषद तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में सिमेज और भी सफलताएँ हासिल करेगा | सिमेज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श स्थापित किया है |

जबकि कार्यक्रम के शुरू में अतिथियों का स्वागत करते हुए सिमेज ने निदेशक प्रो नीरज अग्रवाल ने कहा कि 'सिमेज समूह का संकल्प है राज्य के 1 लाख युवाओं को नियोजन प्रदान करना | बिहार के छात्रों को तकनीकी रूप से शिक्षित कर उन्हें अपने पाँव पर खड़ा करना | सिमेज के माध्यम से हजारों छात्रों ने अपने करियर की शुरुआत की है और वर्तमान में सिमेज के छात्र देश में ही नहीं, विदेशों में भी अच्छे पैकेज पर कार्यरत हैं | सिमेज के कई छात्र उद्यमी बनकर, आज अन्य लोगों के लिए भी जॉब प्रदाता का काम कर रहे हैं |

इस कार्यक्रम में प्रख्यात नाटककार पद्म श्री शेखर सेन द्वारा विवेकानन्द पर आधारित एकल संगीतमय नाटक भी प्रस्तुत किया गया | इस नाटक का 360 से ज्यादा सफल मंचन, देश के साथ-साथ 40 अन्य देशों में भी किया जा चूका है | इस नाटक में

उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जीवन की कई प्रेरक घटनाओं को शामिल किया था, जिससे वहां मौजूद दर्शकों को जोश से भर दिया | शेखर सेन ने अपने जीवंत अभिनय से स्वामी विवेकानन्द को मानो मंच पर जीवंत रूप से साकार कर, दर्शकों की खूब तालियाँ बटोरी | इसी के साथ, कार्यक्रम के दुसरे साथ में छात्रों के मनोरंजन के लिए जाने नामे बहुमुखी प्रतिभा के धनी, पद्मजीत सहरावत द्वारा एक संगीतमय कार्यक्रम – म्युज़िक टॉकशाला का भी आयोजन किया गया, जिसका छात्रों ने नाच-गाकर और झूमकर खूब लुत्फ़ उठाया |

कार्यक्रम में मंच सञ्चालन सिमेज के डीन प्रो. नीरज पोद्दार ने किया | इस अवसर पर सिमेज की निदेशिका मेघा अग्रवाल, सभी शिक्षक तथा सारे छात्र मौजूद थे, जिन्होंने कार्यक्रम का भरपूर लुत्फ़ उठाया |

‘इंस्पायरो 2024’

Dr. Sanjay Paswan

CIMAGE
CIMAGE GROUP OF INSTITUTIONS
In a collaboration with
संस्कार भारती
बिहार प्रदेश

‘इंस्पायरो 2024’

CIMAGE
Knowledge . Skill . Success
CIMAGE GROUP OF INSTITUTIONS
in a collaboration with

UP OF INSTITUTIONS
Fresher's Party Celebration
CIMAGE
Knowledge . Skill . Success
CIMAGE GROUP OF INSTITUTIONS
in a collaboration with
संस्कार भारती

‘इंस्पायरो 2024’

‘इंस्पायरो 2024’

‘इंस्पायरो 2024’

(प्रेस विज्ञप्ति)

'सिमेज बैडमिन्टन प्रतियोगिता 2024' का हुआ आयोजन

कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

कॉलेज के 250 से ज्यादा छात्रों के मध्य आयोजित हुई कड़ी प्रतियोगिता

सिमेज कॉलेज द्वारा आयोजित कराये जा रहे स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के तहत पटना के सेक्रेटेरियेट बैडमिन्टन हॉल में एक दिवसीय बैडमिन्टन प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया, जिसमें कॉलेज के बीबीए, बीबीएम, बी.सी.ए., बी.एस,सी.आई.टी., बी.कॉम प्रोफेशनल तथा पी.जी.डी.एम. के 250 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया |

कॉलेज द्वारा लड़कों तथा लड़कियों के लिए बैडमिन्टन के सिंगल्स एवं डबल्स के गेम आयोजित कराये गए | सुबह 9 बजे से आयोजित पुरे दिन चले रोमांचक मुकाबले का परिणाम शाम में 6 बजे आया | बैडमिंटन के गर्ल्स सिंगल में बीएससी आईटी की सृष्टि विश्वकर्मा को प्रथम स्थान, बीबीए की आशा सिंह को द्वितीय स्थान एवं बीबीए की अदिति चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जबकि वही बैडमिंटन के डबल्स में बीबीए की पल्लवी झा एवं मुस्कान की टीम को प्रथम स्थान बीसीए की साक्षी एवं मोनी की टीम को द्वितीय स्थान एवं बीबीए की कर्णिका एवं प्रिया को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जबकि बॉयज के एकल मैच में शिवम गुप्ता को प्रथम स्थान, किशन कुमार गुप्ता को द्वितीय स्थान एवं पीजीडीएम के आदित्य राज को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीँ बॉयज के डबल में राजवर्धन ठाकुर एवं शिवम गुप्ता की टीम को प्रथम स्थान, आदित्य राज एवं नितेश की टीम को द्वितीय स्थान एवं आयुष भारती तथा पीयूष के टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विजेताओं को कार्यकम के अंत में सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने मेडल देकर पुरस्कृत किया | उन्होंने कहा कि छात्रों को शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ खेल कूद में भी जमकर भाग लेना चाहिए | यह उनके सर्वांगीण विकास में मदद करता है | यह छात्रों में जीतने के जज्बे को बढाने के साथ ही उन्हें हार से भी प्रेरणा लेकर आगे जीतने के लिए प्रेरित करता है | साथ ही इस प्रकार के खेल-कूद प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों के में खेल भावना का विकास होता है | इस अवसर पर सिमेज की सिमेज की निदेशिका मेघा अग्रवाल, डीन नीरज पोद्दार तथा सभी शिक्षक एवं छात्र मौजूद थे |

बैडमिन्टन प्रतियोगिता

बैडमिन्टन प्रतियोगिता

बैडमिन्टन प्रतियोगिता

बैडमिन्टन प्रतियोगिता

(प्रेस विज्ञप्ति)

'सिमेज क्रिकेट प्रीमियर लीग 2024' का हुआ आयोजन

‘बीसीए पैंथर्स’ ने जीता 'सिमेज क्रिकेट प्रीमियर लीग 2024' का ख़िताब

कॉलेज की 16 टीमों के बीच 4 दिनों तक हुआ कड़ा मुकाबला

सिमेज क्रिकेट समूह द्वारा चार दिवसीय ‘सिमेज क्रिकेट प्रीमियर लीग 2024’ का आयोजन किया गया | प्रतियोगिता का आयोजन जगजीवन स्टेडियम, दानापुर में किया गया | 4 दिनों तक चले इन लीग मैचों में सिमेज समूह से बीबीए, बीबीएम, बी.सी.ए., बी.एस,सी.आई.टी. तथा बी.कॉम प्रोफेशनल की 16 टीमों में भाग लिया |

सिमेज क्रिकेट प्रीमियर लीग 2024 में कुल 16 टीमों नाइट्स ऑफ बीसीए, बीएससी आईटी हैकर्स, बीसीए चैलेंजर्स, बीसीए ट्रेल ब्लेजर्स, बीसीए पैंथर्स, बीसीए पाइरेट्स, बीसीए लायंस, बीबीए थंडर्स, बीबीए ब्लास्टर्स, बीकॉम बैशर्स, बीबीएम यूनाइटेड, बीबीएम किंग्स, बीबीए सुपर किंग्स, बीएससी आईटी ईगल्स, बीएससी आईटी वॉरियर्स, बी.कॉम लांसर्स के बीच मुकाबला आयोजित किया गया | सभी मैच नॉक -आउट बेसिस पर खेले गए | और अंत में चार टीमों बीएससी आईटी हैकर्स, बीसीए चैलेंजर्स, बीसीए पैंथर्स, तथा बीबीए थंडर्स ने सभी मैचों को जीतकर अंतिम 4 में अपनी जगह बनाई |

फायनल में रोमांचक मुकाबला बीएससी आईटी हैकर्स तथा बीसीए पैंथर्स के बीच में हुआ | जिसमे बीसीए – एकेयु तृतीय सेमेस्टर की टीम बीसीए पैंथर्स ने कप्तान पवन कुमार के नेतृत्व में ने बीएससी आईटी पीपीयु द्वितीय वर्ष की टीम बीएससी आईटी हैकर्स (कप्तान अमन कुमार) को 74 रनों का लक्ष्य दिया | इस मैच को 20 रनों से जीतकर बीसीए पैंथर्स ने अपने नाम कर लिया और सिमेज क्रिकेट प्रीमियर लीग 2024 के विजेता की ट्रॉफी अपने नाम कर ली और प्रथम पुरस्कार के रूप में 10,000 की राशि हासिल की | जबकि बीएससी आईटी हैकर्स को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ और टीम को इनाम के रूप में मैडल, ट्रॉफी तथा 3000 रुपये की राशि प्रदान की गयी | वही बीबीए एकेयु तृतीय सेमेस्टर की टीम बीबीए थंडर्स ने कप्तान आयुष के नेतृत्व में बीसीए चैलेंजर्स को हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया | इसके साथ ही पुरे सीरीज में अपने बेहतर प्रदर्शन से सभी लोगों का दिल जीतकर बीसीए चैलेंजर्स के कप्तान माधव ने ‘मैंन ऑफ़ द सीरीज’ का पुरस्कार हासिल किया |

विजेताओं को कार्यक्रम के अंत में सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने मेडल, ट्रॉफी तथा पुरस्कार राशि देकर पुरस्कृत किया | उन्होंने कहा कि इस प्रकार के खेल-कूद प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों के में खेल भावना का विकास होता है और यह छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होता है | इसलिए छात्रों को शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ खेल कूद में भी जमकर भाग लेना चाहिए | खेल कूद में भाग लेना छात्रों को प्रतिस्प्रधात्मल बनता है | इस अवसर पर सिमेज की सिमेज की निदेशिका मेघा अग्रवाल, डीन नीरज पोद्दार तथा सभी शिक्षक एवं छात्र मौजूद थे |

सिमेज क्रिकेट प्रीमियर लीग

सिमेज क्रिकेट प्रीमियर लीग

सिमेज क्रिकेट प्रीमियर लीग

(प्रेस विज्ञप्ति)

सिमेज कॉलेज में फिर हुआ जबर्दस्त प्लेसमेंट

सिमेज कॉलेज में चल रहा है 3 दिवसीय मेगा प्लेसमेंट ड्राइव

कॉलेज के मेगा प्लेसमेंट ड्राइव के दुसरे दिन मिला 75 छात्रों को जॉब

सिमेज कॉलेज में छात्रों के प्लेसमेंट के लिए वर्ष 2024 में 'मेगा प्लेसमेंट ड्राइव' का आयोजन किया जा रहा है | इसका आयोजन तीन दिनों 4, 5 तथा 6 जुलाई तक किया जायेगा | कॉलेज द्वारा, 'मेगा प्लेसमेंट ड्राइव' के दौरान चलाये गए हालिया 'कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव' के तहत आज सिमेज में प्रतिष्ठित एक्सिस बैंक, 'स्टार यूनियन हेल्थ इन्श्युरेंस', 'द्वारा फायनेंस', 'स्वंत्रता माइक्रो फायनेंस' तथा मुथुट फायनेंस का आगमन हुआ, जिसमें प्रबंधन, सूचना तकनीक एवं कॉमर्स के फाइनल ईयर के छात्रों ने भाग लिया |

इस प्लेसमेंट की जानकारी देते हुए सिमेज के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल ने बताया कि समाचार लिखे जाने तक कुल 75 छात्रों को अंतिम तौर पर चयनित किया जा चूका था | शेष छात्रों का इंटरव्यू चल रहा था, जिसका परिणाम बाद में आने की अपेक्षा है, जिसके बाद सफल छात्रो की संख्या और बढ़ेगी | साथ ही उन्होंने बताया कि यह प्लेसमेंट ड्राइव कल भी चालू रहेगा और जल्द ही कई और अन्य कम्पनियां भी कॉलेज कैम्पस प्लेसमेंट के लिए आएँगी | इस अवसर पर सिमेज निदेशिका (ऑपरेशन) मेघा अग्रवाल, डीन प्रो. नीरज पोद्दार, सभी शिक्षकों, कर्मियों ने छात्रों को बधाई दी तथा उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष जताया |

एक्सिस बैंक में छात्रों को सेल्स ऑफिसर के पद पर, **'स्टार यूनियन हेल्थ इन्श्युरेंस'** द्वारा 'फ्रंट लाईन सेल्स' के पद पर, **'द्वारा फायनेंस'** द्वारा ऑडिटिंग, कैश हैंडलिंग, चेकर वेरिफिकेशन और ब्रांच असेट्स विभाग, वहीँ **'स्वंत्रता माइक्रो फायनेंस'** द्वारा ब्रांच असेट्स के पद छात्रों की हायरिंग की गई | ज्ञात हो कि सिमेज समूह के BCA और BSc-IT के 15000 से अधिक छात्रों का चयन अब तक टीसीएस, विप्रो, इन्फोसिस, कोग्निजेंट, कैपजेमनी, अससेंचर, आईबीएम आदि कंपनियों मे भी हुआ है |

मेगा प्लेसमेंट ड्राइव

मेगा प्लेसमेंट ड्राइव

मेगा प्लेसमेंट ड्राइव

(प्रेस विज्ञप्ति)

सिमेज कॉलेज में फिर हुआ जबर्दस्त प्लेसमेंट

सिमेज के मेगा प्लेसमेंट ड्राइव में 207 छात्रों को मिला जॉब ऑफर

आई.सी.आई.सी.आई.बैंक में 132 छात्रों को मिला प्लेसमेंट

सिमेज समूह से अबतक 3200 छात्र हो चुके हैं 'आई.सी.आई.सी.आई. बैंक' में चयनित

सिमेज कॉलेज में आज नज़ारा बदला हुआ था | सभी छात्रों के सर पर सफलता चढ़कर झूम रही थी | मौका था 'सिमेज मिड प्लेसमेंट पार्टी' में कैम्पस प्लेसमेंट पाए छात्रों को सफलता का जश्न मनाने का | छात्र जहाँ नगाड़ों की धुन पर नाच-गा कर अपनी सग्फलता का जश्न माना रहे थे, वहीँ उनकी आँखों में खुशियों के आँसू भी थे |

सिमेज कॉलेज द्वारा, 'मेगा प्लेसमेंट ड्राइव' के दौरान चलाये गए हालिया 'कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव' के तहत सिमेज में आई.सी.आई.सी.आई.बैंक का आगमन हुआ था, जिसमें प्रबंधन, सूचना तकनीक एवं कॉमर्स के फाइनल ईयर के छात्रों ने भाग लिया, जिसमे कुल 132 छात्रों को चयनित किया गया | छात्रों को इस मेगा प्लेसमेंट ड्राइव तहत 75 अन्य छात्रों को भी विभिन्न कोर्पोरेट हाउसेज़ द्वारा जॉब ऑफर प्रदान किया गया है | इस प्रकार सिमेज कॉलेज के छात्रों ने प्लेसमेंट के क्षेत्र में फिर अपनी सफलता का परचम लहरा दिया है |

इस प्लेसमेंट की जानकारी देते हुए सिमेज के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल ने बताया कि 'यह काफी हर्ष का विषय है कि कॉलेज के छात्रों को कोर्स पूरा होने से पहले ही प्लेसमेंट प्राप्त हो चूका है | उन्होंने कहा कि सिमेज में जिस सपने के साथ तीन साल पहले छात्रों ने अपने सफ़र की शुरुआत की थी, आज वह सपना पूरा हुआ है | उन्होंने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव आगे भी चालू रहेगा और जल्द ही कई और अन्य कम्पनियां भी कॉलेज कैम्पस प्लेसमेंट के लिए आएँगी | इस अवसर पर सिमेज निदेशिका (ऑपरेशन) मेघा अग्रवाल, डीन प्रो. नीरज पोद्दार, सभी शिक्षकों, कर्मियों ने छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई दी तथा उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष जताया |

'आई.सी.आई.सी.आई.बैंक' में छात्रों का चयन 'डिजिटल बैंकिंग ऑफिसर' के तौर पर किया गया है | छात्रों के चयन के लिए हैदराबाद हेडक्वार्टर से निकिता कुमारी के नेतृत्व में आई.सी.आई.सी.आई.बैंक के एच.आर. विभाग से 10 सदस्यीय दल का आगमन हुआ था, जिसमें कोलकाता, मुंबई, बैंगलोर से आये हुए एक्सपर्ट्स शामिल थे | सभी छात्रों का चयन 'आई.सी.आई.सी.आई. बैंक' के पे-रोल पर हुआ है और छात्रों को 3.11 लाख रु का बेस पे मिला है इसके ऊपर इन्हे अन्य लाभ और अतिरिक्त इन्सेंटिव भी प्राप्त होगा |

सभी चयनित छात्रों को आई.सी.आई.सी.आई. बैंक द्वारा सर्वप्रथम बैंकिंग, फायनान्शियल सर्विसेज़ एवं कैपिटल मार्केट के विभिन्न मॉडयुल्स की ट्रेनिंग दी जाएगी | चयनित छात्रों को दो साल में प्रोबेशनरी आफिसर के पद पर पदोन्नति हेतु PO ट्रेनिंग भी मिलेगी | छात्रों को पदस्थापना हैदराबाद, इंदौर, जयपुर तथा अन्य शहरों में मिली है | आई.सी.आई.सी.आई. बैंक में दो साल की अवधि तक कार्य करने के बाद इन्हे 'आई.सी.आई.सी.आई. बैंक' के पी०ओ० प्रोग्राम के तहत MBA करने का मौका भी मिलेगा, जिसके सफल समापन के पश्चात ये 'डिप्टी मैनेजर – ग्रेड – 1' के पद पर आसीन हो जाएंगे | ज्ञात हो कि ICICI बैंक द्वारा पिछले आठ सालों में सिमेज समूह के 3200 से अधिक छात्रों को कैम्पस प्लेसमेंट के माध्यम से चयनित किया जा चुका है |

कॉलेज द्वारा, 'मेगा प्लेसमेंट ड्राइव' के दौरान चलाये गए हालिया 'कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव' के तहत सिमेज में प्रतिष्ठित एक्सिस बैंक, 'स्टार यूनियन हेल्थ इन्श्युरेंस', 'द्वारा फायनेंस', 'स्वंत्रता माइक्रो फायनेंस' तथा मुथुट फायनेंस का भी आगमन हुआ था, जिन्होंने कॉलेज से 75 छात्रों को चयनित किया था | ज्ञात हो कि सिमेज समूह के BCA और BSc-IT के 15000 से अधिक छात्रों का चयन अब तक टीसीएस, विप्रो, इन्फोसिस, कोग्निजेंट, कैपजेमनी, अससेंचर, आईबीएम आदि कंपनियों मे भी हुआ है |

मेगा प्लेसमेंट ड्राइव

मेगा प्लेसमेंट ड्राइव

मेगा प्लेसमेंट ड्राइव

(प्रेस विज्ञप्ति)

सिमेज में लगा होली मेला

ढोलक की थाप और फाग के राग संग सिमेज के छात्रों पर चढ़ा होली का रंग

'वन-डे स्टार्टअप' के माध्यम से छात्रों ने सीखे व्यापार के गुर

250 से अधिक छात्रों ने किया एक दिन का बिजनेस वेंचर

अवध से महाराष्ट्र तक, राजस्थान से बिहार तक, पंजाब से बंगाल तक और वृंदावन से बरसाना तक भारत में हैं होली के कई रंग | होली के इन्हीं रंगों को लोकगीतों के माध्यम से छात्रों ने सिमेज द्वारा आयोजित होली मेला में बिखेरा | छात्रों के विभिन्न समूहों ने फाग, होरी, रसिया, जोगीरा, कबीरा, धमाल और चौताल जैसे लोक संगीत की प्रस्तुति दी | ढोल की थाप, फाग का रंग, अबीर की खुशबू, अपनेपन का एहसास, कुछ ऐसा ही माहौल था सिमेज कॉलेज में आयोजित होली मेला 2024 में | इस अवसर पर जानी-मानी गायिका रंजना झा ने अपने संगीत से सबका मनोरंजन किया |

इस कार्यक्रम में छात्रों के द्वारा 40 से भी अधिक विभिन्न स्वादिष्ट फूड तथा मनोरंजन गेम्स के स्टॉल लगाए गए थे | लेकिन सिमेज द्वारा आयोजित इस मेले का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना ही नहीं था, बल्कि छात्रों को इस माध्यम से व्यापार जगत का व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान कराना था | मेले में स्टॉल लगाकर व्यापार करने वाले प्रत्येक टीम को अपने बिजनेस का एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाना था, जिसमें उन्हे टोटल इन्वेस्टमेंट एनालिसिस, मार्किट सर्वे, पर-यूनिट कॉस्ट, ब्रेक इवन पॉइंट, फिक्सड कॉस्ट तथा वेरिएबल ब्रेकअप, सिनेरियो बिल्डअप (ऑपटिमिस्ट, रेलिस्टिक, पेसिमिस्ट), प्रॉफिट प्रोजेक्शन, मार्केटिंग प्लान, सोशल मीडिया प्लान, डेलिगेशन लिस्ट , एकाउंट्स आदि की पूरी जानकारी प्रदान करनी थी | वस्तुतः छात्रों द्वारा मेले में कारोबार करने के लिए विभिन्न मनोरंजन फूड तथा गेम्स के स्टॉल लगाये गए स्टाल्स वस्तुतः उनके लिए एक प्रोजेक्ट की भांति है, जिसके माध्यम से कारोबारी जगत में प्रवेश करने से पहले व्यापार के विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर पाएंगे | छात्रों को इस प्रोजेक्ट के माध्यम से बिजनेस की विभिन्न बारीकियों जैसे कि प्लानिंग, बजटिंग, स्ट्रेटजी, टीम मैनेजमेंट, कोआर्डिनेशन, फंडिंग, रिवेन्यू फॉरकास्टिंग, परचेज़िंग, नेगोशिएशन, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, डेलिगेशन, ब्रांडिंग, एडवरटाइजिंग, मार्केटिंग, एकाउंटिंग इत्यादि को सीखने का मौका मिला | साथ ही साथ यह अनुभव छात्रों को अपने नेतृत्व क्षमता दिखाने तथा प्रतिभा प्रदर्शन का मौका देता है | इस अवसर पर छात्रों ने 40 से अधिक विभिन्न प्रकार के कारोबारी स्टॉल्स लगाए थे |

इस मेले में सभी छात्रों के साथ उनके अभिभावकों एवं समाज के कई प्रबुद्ध लोगों तथा कई बुद्धिजीवी ने भी भाग लिया तथा उन्होंने छात्रों के प्रदर्शन एवं प्रयासों की सराहना की | इस अवसर पर सिमेज की डायरेक्टर ऑपरेशन मेघा अग्रवाल, डीन प्रो. नीरज पोद्दार तथा कॉलेज के सभी शिक्षक भी मौजूद थे, जिन्होने कार्यक्रम को सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया |

होली मेला

CIMAGE
Knowledge . Skill . Success
CIMAGE GROUP OF INSTITUTIONS
होली मेला
दिनांक: 22 मार्च 2024, शुक्रवार
स्थान: सिमेज का नया भवन, पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र, पटना

होली मेला

CUTLET
THANDAI
Rs:-30
Only...
STALL-34
CIMAGE
Happy होली
Welcome To
Our holi Special
Stall

होली मेला

होली मेला

(प्रेस विज्ञप्ति)

सिमेज में अनूठी तरह से मनाई गई सरस्वती पूजा |

ना हुडदंग - ना हँगामा, पारंपरिक और सात्विक तरीके से छात्रों ने किया आयोजन |

अनिवार्य सोशल प्रोजेक्ट के तहत वंचित वर्ग के छात्रों के बीच किया शैक्षिक सामग्री का वितरण |

सिमेज कॉलेज में सरस्वती पुजा का आयोजन पारंपरिक तरीके से मूर्ति स्थापित कर किया गया, लेकिन यह केवल समान्य तरीके से मनाई जाने वाली सरस्वती पूजा मात्र ही नहीं थी | सिमेज कॉलेज में सरस्वती पुजा के साथ, छात्रों द्वारा एक सोशल प्रोजेक्ट का जाना अनिवार्य है | पूरे कार्यक्रम का आयोजन छात्रों के द्वारा ही किया गया एवं उन्हे चंदे के द्वारा जमा की गयी कुल राशि का 50% ही सरस्वती पुजा तथा इसके आयोजन पर खर्च करना था | शेष 50% राशि के बराबर राशि, कॉलेज के द्वारा प्रदान की गई तथा इस राशि से छात्रो ने एक सोशल प्रोजेक्ट बनाया एवं उसे व्यावहारिक रूप से सफलतापूर्वक क्रियान्वित भी किया | पूरे कार्यक्रम का लक्ष्य था 'छात्रों को प्रबंधन का व्यावहारिक ज्ञान देना एवं उन्हे उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास करना | आस-पास के वंचित समाज के बच्चों को शिक्षित करना तथा उन्हें लम्बे समय तक लाभ प्रदान करने वाले किसी योजना को क्रियान्वित करना |'

सिमेज समूह के विभिन्न कॉलेजों के मध्य इस अवसर पर एक प्रतियोगिता कराई गयी | इस प्रतियोगिता में स्वच्छता, सहभागिता, सामाजिक प्रोजेक्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अनुशाषण के आधार पर प्रतियोगिता का विजेता चुना गया | इस अवसर पर पुरे कॉलेज में जल-जीवन-हरियाली तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाले पोस्टरों की प्रदर्शनी भी लगाई गई | इस अवसर पर वंचित समाज के छात्रों के मध्य 'सोशल प्रोजेक्ट' के तहत सिमेज के छात्रों ने स्कुल बैग, कॉपी, किताबें, पेन्सिल, स्टेशनरी तथा खेल-कूद का समान वितरित किया |

वहीं कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुये सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा कि ' इसके पूर्व के वर्षों में भी सिमेज कॉलेज द्वारा सरस्वती पूजा का आयोजन इसी प्रकार किया जाता रहा है| 'माँ सरस्वती की वंदना, हमारे द्वारा 'स्वच्छता, कला, चित्रकला, संगीत हुनर और सेवा' के माध्यम से होनी चाहिए | उन्होने छात्रों से आहवान किया कि वे आज के दिन एक किताब ज़रूर पढ़ें | माँ सरस्वती कि यह सच्ची आराधना होगी |

इस कार्यक्रम के अंत में सिमेज समूह के विवेकानन्द शाखा को प्रथम पुरस्कार, पाटलिपुत्र शाखा को द्वितीय पुरस्कार एवं बोरिंग रोड शाखा को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया | कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया |

गायन श्रेणी में पाटलिपुत्रा शाखा के सुजल एवं समूह को प्रथम पुरस्कार, विवेकानन्द शाखा के नीरज एवं समूह को द्वितीय पुरस्कार, जबकि विवेकानन्द शाखा के ख़ुशी एवं समूह को तृतीय पुरस्कार दिया गया | जबकि नृत्य प्रतियोगिता में पाटलिपुत्रा शाखा की खुशबु एवं समूह को प्रथम पुरस्कार, विवेकानन्द शाखा की तुलिका एवं समूह को द्वितीय जबकि विवेकानन्द शाखा की जाह्नवी एवं समूह को तृतीय पुरस्कार दिया गया | जबकि नाट्य नृत्य प्रतियोगिता में पाटलिपुत्रा शाखा के पियूष एवं समूह को प्रथम पुरस्कार, विवेकानन्द शाखा की प्राची एवं समूह को द्वितीय जबकि पाटलिपुत्रा शाखा के नवाजिश एवं समूह को तृतीय पुरस्कार दिया गया | इस अवसर पर सिमेज समूह की निदेशिका मेघा अग्रवाल, डीन नीरज पोद्दार तथा सभी शिक्षक एवं कर्मी भी मौजूद थे |

सरस्वती पूजा

सरस्वती पूजा

सरस्वती पूजा

(प्रेस विज्ञप्ति)

सिमेज समूह ने छात्रों के लिए आयोजित किया इंडस्ट्रियल विजिट

हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया में चार यूनिटों का किया भ्रमण

छात्रों ने विभिन्न प्रोडक्ट्स बनाने की पूरी प्रक्रिया, असेम्बली लाइन, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, क्वालिटी कंट्रोल प्रोसेस, मार्केटिंग मैनेजमेंट, सेल्स प्रोसेस इत्यादि की जानकारी प्राप्त की |

सिमेज समूह द्वारा छात्रों के लिए एक इंडस्ट्रियल विजिट का आयोजन किया गया | इस इंडस्ट्रीयल विजिट के लिए कॉलेज से उन छात्रों को चुना गया, जिन छात्रो की उपस्थिती कॉलेज में अच्छी थी और उन्होंने कॉलेज को विभिन्न एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज़ में बढ़-चढ़कर भाग किया था | ऐसे छात्रों को एक रिवार्ड के रूप से इस ट्रिप में निःशुल्क ले जाया गया | इसके लिए बीबीए, बीसीए, बी.एस.सी.(आई.टी.) बीकॉम (प्रोफेशनल) और पीजीडीएम कोर्स में छात्रों को चुना गया था | इस इंडस्ट्रियल विजिट के तहत छात्रों को हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया में चार यूनिटों, 'कोम्पिटेन्स शूज़ फैक्ट्री' – एक्सपोर्ट ओरियेंटेड यूनिट फॉर रशियन आर्मी, 'ए.एफ.पी. मैन्युफैक्चरिंग यूनिट' – पेप्सिको - कुरकुरे, 'ग्रीन पॉलीट्यूब्स' और 'सोबिस्को बिस्किट' फैक्ट्री का विजिट कराया गया | लेकिन सबसे पहले छात्रों का यह दल 'बाबा हरिहरनाथ' के मंदिर पहुँचा तथा वहां उन्होंने पूजा-अर्चना की | 42 छात्रों के इस दल का नेतृत्व सिमेज समूह के निदेशक प्रोफेसर नीरज अग्रवाल, निदेशिका मेघा अग्रवाल तथा डीन प्रो. नीरज पोद्दार कर रहे थे |

इस इंडस्ट्रियल विजिट का पर्पस केवल छात्रों को मैन्युफैक्चरिंग यूनिट दिखाना भर नहीं था कि कैसे कोई यूनिट काम करता है या कैसे किसी प्लांट में प्रोडक्शन हो रहा है ? बल्कि छात्रों को यह समझाना जरूरी था - कि आन्ट्रप्रनर का जो माइंडसेट है, वो कैसा होता हैं - उससे छात्र परिचित हो सके और बिहार के विकास में वे कैसे योगदान दे रहे हैं - यह बताना भी था | छात्रों को उद्यमिता का लाइव एक्सपोज़र मिले - वो आन्ट्रप्रनयर्स की स्टोरी को देखें, उनकी कहानी को समझें, उनके परिश्रम को समझें, उनके जुझारूपन को समझें, तथा वे इन्ट्रप्रेन्यूरशिप के व्यावहारिक पक्ष को खुद से समझ सकें - इस लिए छात्रों को इंडस्ट्रियल विजिट के लिए ले जाया गया | इसके लिए बिहार में ऐसे व्यापारिक उध्यमों का चुनाव किया गया, जिनका कोई खास महत्त्व हो | इस इंडस्ट्रीयल विजिट के माध्यम से छात्रों को उध्यमिता का प्रेरक और व्यावहारिक पक्ष समझने को मिला |

विस्तृत जानकारी :

1. सबसे पहले छात्रों ने कोम्पिटेन्स शूज़ फैक्ट्री का भ्रमण किया | यह विदेशी कंपनियों और रशियन आर्मी के लिए विशेष प्रकार के स्पेलाइज्ड शूज़ बनाती है | श्री दानिश प्रसाद द्वारा स्थापित यह इण्डस्ट्री अपने प्रोडक्शन का 100% एक्सपोर्ट करती है | छात्रों ने वहाँ बनने वाले डेढ़ लाख मूल्य तक के जुते देखे तथा उनके बनाने की प्रक्रिया, असेम्बली लाइन, सप्लाई चेन तथा क्वालिटी कंट्रोल प्रोसेस इत्यादि को देखा तथा बारीकी से समझा | इस प्लांट की खास बात यह थी कि यहाँ आस-पास के इलाकों से करीब 150 से ज्यादा महिलाएं कारीगर ही सारा काम कर रही थीं | इस प्रकार इस इण्डस्ट्री की स्थापना किस प्रकार सैकड़ों लोगों की बेरोजगारी दूर कर सकती है – इस तथ्य को भी व्यावहारिक तरीके से देखा |

2. उसके बाद छात्रों ने राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल द्वारा स्थापित 'ए.एफ.पी. मैन्युफैक्चरिंग यूनिट' का भ्रमण किया | यह कम्पनी पेप्सिको के लिए कुरकुरे बनाती है और एशिया में पेप्सिको के लिए कुरकुरे बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी है | छात्रों ने वहां कुरकुरे बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले रॉ-मेटिरियल, आटा, चना और मकई, तथा मसाले एवं तेल को क्वालिटी टेस्ट के अप्रूवल से लेकर प्रोडक्शन के हर पक्ष को देखा और समझा | इसके साथ वहां पर ए.एफ.पी. मैन्युफैक्चरिंग यूनिट द्वारा बनाये जा रहे उनके अपने ब्रांड मन्च-ऑन के भी प्रोडक्शन, मार्केटिंग तथा सेलिंग के पक्ष को समझा |

3. उसके बाद छात्रों का ये दल 'ग्रीन पॉलीट्यूब्स' पहुँचा - जो पीवीसी पाइप मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है | यहाँ पर छात्रों ने विभिन्न प्रकार की पाइप्स जैसे SWR Pipes, Casing Pipes, Plumbing Pipes के प्रोडक्शन के बारे में जानकारी प्राप्त की | वहाँ इन्होंने उनके मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेसेज को देखा और समझा | इस अवसर पर ग्रीन पाइप के डायरेक्टर श्री हनुमान गोयल भी मौजूद थे, जिन्होंने छात्रों को इस प्रॉडक्ट की मैन्युफैक्चरिंग, मार्केटिंग, डिस्ट्रीब्यूशन इत्यादि के कॉन्सेप्ट को के बारे में जानकारी प्रदान की | छात्रों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि किस प्रकार से उन्होंने इंडस्ट्री की स्थापना की - किस प्रकार की चुनौतियां आईं - और किस प्रकार से उन्होंने इन चुनौतियों का सामना किया और सफल हुए | छात्रों ने प्लास्टिक के स्ट्रेंथ या फ्लेक्सिबिलिटी को बढ़ाने के लिए - निर्माण में किस तरह के केमिकल कंपोजिशन से इत्यादि का इस्तेमाल किया जाता है - इसकी भी पूरी जानकारी प्राप्त की | छात्रों ने इनके निर्माण की प्रक्रिया को देखा प्रोसेसेस को समझा तथा मार्केटिंग स्ट्रैटिजी के बारे में भी जानकारी ली |

4. उसके बाद यह दल कैलाश चन्द्र अग्रवाल द्वारा स्थापित 'सोबिस्को बिस्किट' के फैक्ट्री पहुँचा | यहाँ पर छात्रों ने बिस्किट के निर्माण की पूरी प्रक्रिया को – शुरू से अंत तक समझा | किस प्रकार विभिन्न प्रकार के फ्लेवर्स के बिस्किट्स वहां बनते हैं एवं किस प्रकार वहां पर इसके लिए रॉ-मेटिरियल का चुनाव किया जाता है एवं कैसे क्वालिटी कंट्रोल की जाती है – पुरे फैक्ट्री में किस प्रकार हाईजीन का ख्याल रखा जाता है – इसके लिए किस प्रकार के मापदंड बने हैं एवं पूरी प्रक्रिया का पालन कैसे किया जाता है – इस सब चीज़ों की जानकारी छात्रों ने प्राप्त की |

इस पुरे यात्रा के लिए कॉलेज द्वारा एक ए.सी. बस को बुक किया गया था | इस इंडस्ट्रियल विजिट की शुरुआत सुबह में 7:00 बजे से हुई और रात में 7:30 बजे सभी छात्र वापस कॉलेज पहुंचे | यात्रा के दौरान बस में छात्रों को संबोधित करते हुए प्रो. नीरज अग्रवाल ने छात्रों को उद्यमिता यानी आन्ट्रप्रनर्शिप के बारे में कई जानकारीयाँ प्रदान की | दोपहर में छात्रों ने वहां के प्रसिद्द अनामिका होटल में अपने पसंद के लंच का आनंद लिया | पूरे बस में सफर के दौरान छात्र एन्जॉय करते रहे - संगीत और भजनों का दौर चलता रहा | छात्र गानों पर नाचते और झूमते रहे | इस पुरे इंडस्ट्रियल के लिए छात्रों से कोई भी पैसा चार्ज नहीं किया गया |

इंडस्ट्रियल विजिट

इंडस्ट्रियल विजिट

इंडस्ट्रियल विजिट

इंडस्ट्रियल विजिट

इंडस्ट्रियल विजिट

CIMAGE
CAMPUS PLACEMENT 2024
MEGA JOB FAIR
ICICI Bank
Mahindra FINANCE
BAJAJ FINSERV
ESAF
AXIS BANK
DATE - 4,5 & 6TH JULY 2024 | VENUE- CIMAGE PATLIPUTRA | For BBA, BBM, B.Com, MBA, PGDM, BCA & BSc-IT Students

(प्रेस विज्ञप्ति)

पाटलिपुत्रा विश्वविद्यालय के लिए सिमेज समूह के छात्रों ने बनाया ऐप

पाटलिपुत्रा विश्वविद्यालय के कुलपति के समक्ष किया अपने बनाये हुए ऐप का प्रदर्शन

सिमेज समूह के छात्रों की प्रतिभा से प्रभावित हुए कुलपति

सिमेज समूह के बी.सी.ए. तथा बी.एस.सी.(आई.टी.) के फ़ाइनल एयर के छात्रों ने पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. सिंह के समक्ष अपने कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, कोडिंग तथा ऐप डेवलपमेंट की तकनीकी प्रतिभा का प्रदर्शन किया | कुलपति छात्रों की प्रतिभा से प्रभावित हुए तथा उन्होंने छात्रों के ऐप को बहुत ध्यान से देखा तथा छात्रों से सवाल जवाब-कर छात्रों द्वारा बनाये गए ऐप के बारे से सूक्ष्मता से जानकारी प्राप्त की तथा उसे और बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव दिए | इस मौके पर सिमेज समूह के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, डीन प्रो.नीरज पोद्दार तथा विभाग प्रमुख (आई.टी.) अमित शुक्ला के नेतृत्व में सिमेज समूह से छात्रों के तीन दल अपने द्वारा बनाये गए ऐप का प्रदर्शन करने पाटलिपुत्र विश्विद्यालय पहुंचे थे |

सिमेज समूह के छात्रों ने पाटलिपुत्रा विश्वविद्यालय के लिए बनाये गए ऐप में कई अडवांस फीचर्स शामिल किये थे | इस ऐप में फेस रिकोग्निशन का भी फ़ीचर शामिल था | इसमें विश्विद्यालय द्वारा, विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित कॉलेजों को जोड़ने की सुविधा थी | साथ ही इस ऐप में नए छात्रों की इन्क्वायरी इन्क्व्यारी का रिकॉर्ड लेने तथा रखने एवं छात्रों का रजिस्ट्रेशन करने की भी सुविधा थी | वहीँ इसमें इसमें डायनामिक नोटिफिकेशन सिस्टम का भी फ़ीचर था, जिसके माध्यम से मैसेज को सभी को तत्क्षण सभी को डिलीवर करने की सुविधा भी थी | इस ऐप को एनड्रॉयड तकनीक का इस्तेमाल कर के बनाया गया था, जिसमें जावा पोर्ग्रमिंग लैंग्वेज का इस्तेमाल करते हुए कोडिंग की गई थी | डेटा को स्टोर करने के लिए, बैकएन्ड में माय एस.क्यू.एल तकनीक का इस्तेमाल किया गया |

कुलपति महोदय ने इस ऐप की तारीफ की तथा छात्रों को इस ऐप को और बेहतर बनाने के लिए इसमें अटेंडेंस के वक्त जियो फेंसिंग वाली तकनीक का इतेमाल करने की सलाह दी गई | वहीँ उपस्थिति मार्क करने के लिए फेस रिकोग्निशन की मैचिंग परसेंटेज 85% रखने की सलाह दी गई | साथ ही छात्रों को सलाह दी कि वे इसे बड़े डेटा-बेस की चुनौतियों को ध्यान रखते हुए तैयार करें | साथ ही उन्होंने छात्रों को यह भी सलाह दी की कि सीनियर छात्र अपने दल में कुछ जूनियर छात्रों को भी रखें ताकि इस बहाने जूनियर छात्रों को भी कुछ नया सीखने का मौका मिले | कुलपति महोदय की सलाह को छात्रों ने गंभीरता से सुना और अपने ऐप में इन तकनीकों को शामिल करने का वादा किया |

वहीँ सिमेज के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल ने कुलपति प्रो. आर.के. सिंह को उनके व्यस्त शेड्यूल के बीच समय निकालकर छात्रों के ऐप को देखने, उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करने तथा उनका हौसला बढ़ने के लिए धन्यवाद किया | उन्होंने कुलपति महोदय द्वारा दिए गए सलाहों पर सहमति जाहिर की और बताया कि अगले प्रोजेक्ट में इन सुझावों को निश्चित तौर पर समाहित कर दिया जायेगा | उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि कई अन्य छात्रों ने और भी एप्स जैसे इलेक्ट्रिक व्हेकिल चार्जिंग स्टेशन फाइंडर, वाटर ऐप तथा किसानो के लिए खरीद-बिक्री का मोबाईल बनिया ऐप एवं कई अन्य ऐप भी बनाये हैं |

ऐप का प्रदर्शन

ऐप का प्रदर्शन

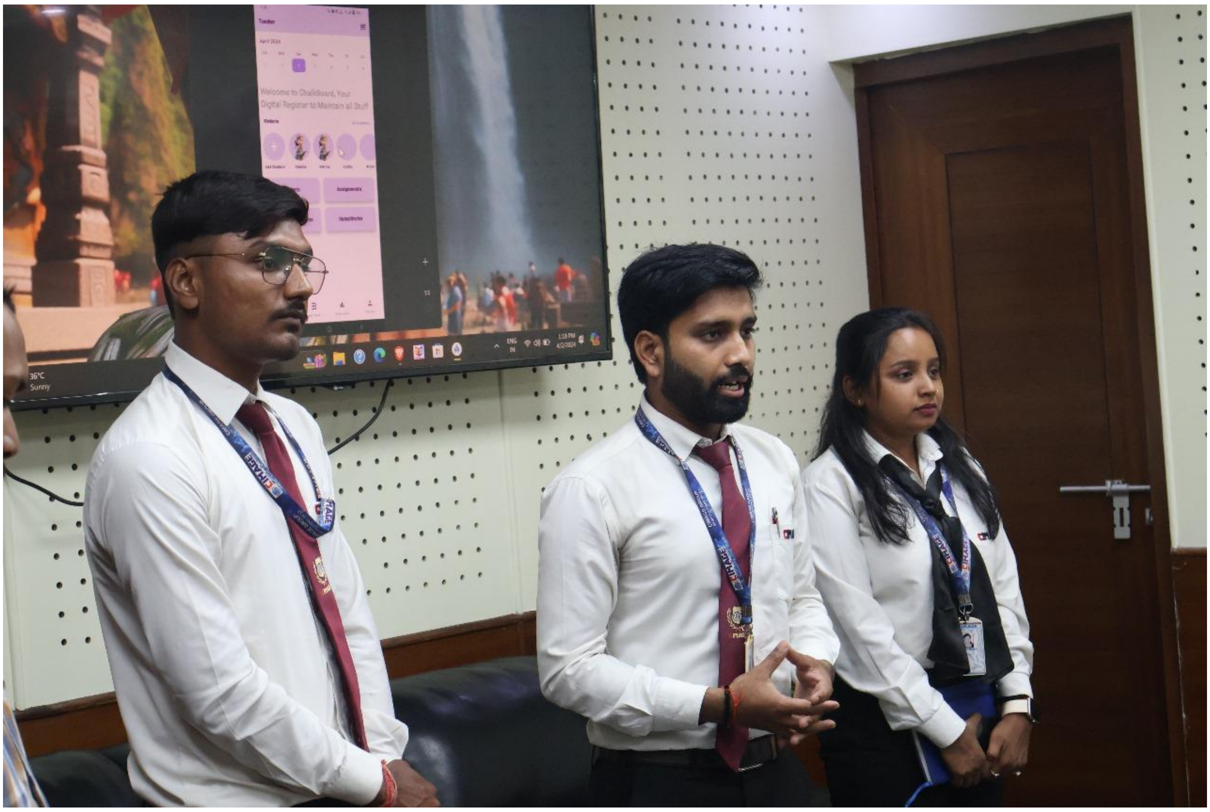
Teacher
Welcome to ChalkBoard, Your Digital Register to Maintain all Stuff
Assignments
HolidWorks

ऐप का प्रदर्शन

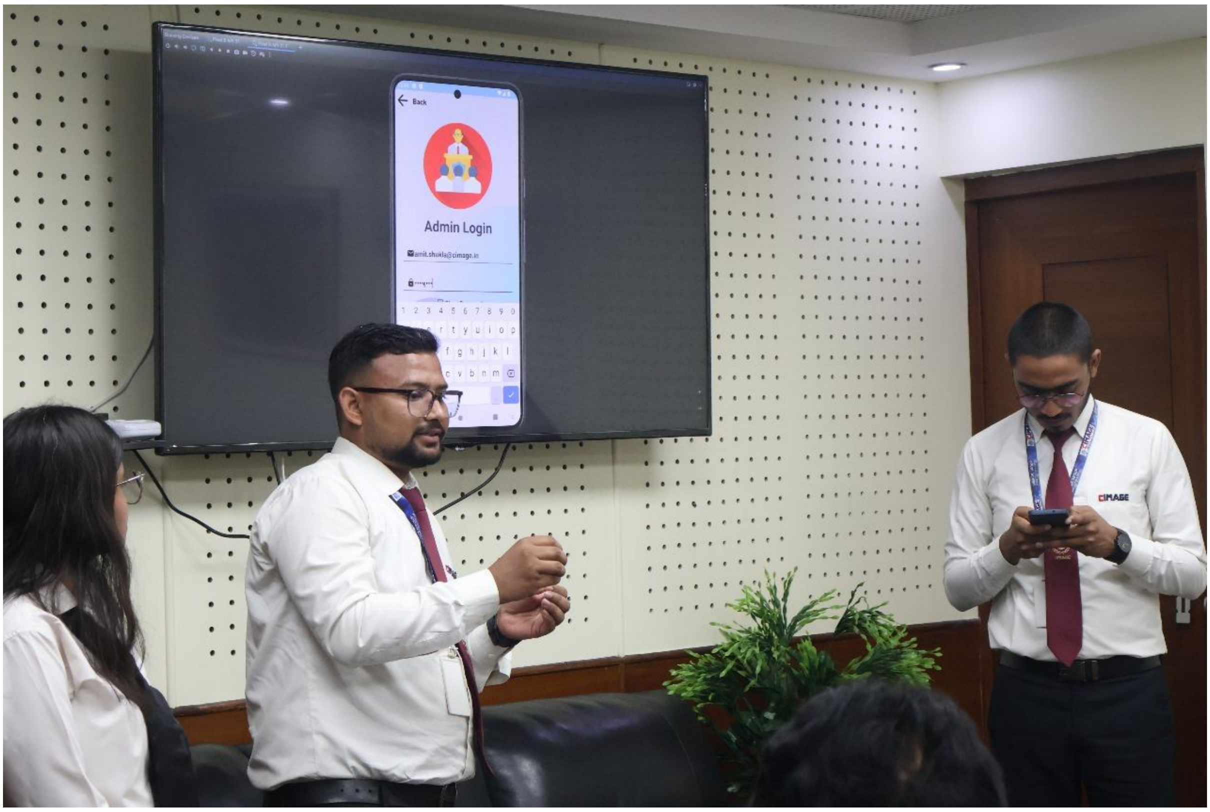

(प्रेस विज्ञप्ति)

सिमेज के छात्रों को आइनोक्क्स में दिखाई गई प्रेरणादायक फ़िल्म

छात्रों को दिखाई गई 'चंदू चैंपियन' फ़िल्म

फ़िल्म के बाद हुआ केस अनेलेसिस

सिमेज के छात्रों को राजधानी पटना के आइनोक्क्स में मोटीवेशनल फ़िल्म 'चंदू चैंपियन' दिखाई गई | इस फ़िल्म को दिखाने के लिये पुरे कॉलेज से MBA. BBA, BCA, B.Sc.IT तथा B.Com.(P) छात्रों का चयन कॉलेज में उनकी क्लास में उपस्थिति, क्लास में छात्रों के प्रदर्शन तथा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज़ में उनकी भागीदारी के आधार पर किया गया | छात्रों के लिए सिनेपोलिस में पुरे ऑडीटोरियम को बुक किया गया था | छात्रों के दल का नेतृत्व सिमेज समूह के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल, मेघा अग्रवाल तथा डीन प्रो. नीरज पोद्दार ने किया |

इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए सिमेज के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल ने बताया कि 'सिमेज लोगों तक सन्देश पहुँचाने का सशक्त माध्यम है और आज की मूवी का चयन इसी वजह से किया गया है | फ़िल्म 'चंदू चैंपियन' के माध्यम से छात्रों को जीवन में एक लक्ष्य बनाने का सन्देश दिया गया और लक्ष्य बनाने के बाद, उसे सफल बनाने के लिए, तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद जीवन में जोश और जूनून बनाये रखने का सन्देश भी दिया गया | ज्ञात हो कि फ़िल्म 'चंदू चैंपियन' भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित है। जिन्होंने बचपन में ही एक पहलवान की विजयगाथा से प्रभावित होकर ओलम्पिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने का सपना देखा था और जीवन में आये तमाम बाधाओं के बावजूद भी अपने सपने को साकार किया | उनके 'जीतने का जज्बे' और तमाम बाधाओं के बावजूद भी 'अपने सपने को पूरा करने की कहानी' बहुत प्रेरणादायक है |

फ़िल्म के समापन के पश्चात ऑडीटोरियम में ही एक विशेष सेशन आयोजित कर, केस स्टडी के माध्यम से इस इसे डिसकस किया गया और विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसके माध्यम से कई नई चीज़ें निकल कर आई | महाराष्ट्र के सांगली के एक बच्चे, मुरलीकांत पेटकर का एक ही सपना था - ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतना | मगर उसे जान बचाने के लिए अपना गांव छोड़कर जाना पड़ता है, पहलवानी छोड़कर बॉक्सर बनना पड़ता है, 1965 के युद्ध में 9 गोलियां लगती हैं, एक गोली बॉडी से कभी निकल नहीं पाती - वह चल-फिर नहीं सकता है - परिवार ने घर ले जाने से मना कर दिया - मगर सपना अभी भी वही है - ओलंपिक में मेडल जीतना है, और उसने जीतकर ही दम लिया | जीवन में असाधारण सफलता पाने के लिए ऐसे ही मजबूत संकल्प की जरुरत पड़ती है | फ़िल्म के दौरान छात्रों के लिए कोल्डड्रिंक तथा पोपकोर्न की भी व्यवस्था की गई थी, जिसका छात्रों ने भरपूर लुत्फ़ उठाया |

छात्रों को दिखाई गई प्रेरणादायक फ़िल्म

छात्रों को दिखाई गई प्रेरणादायक फ़िल्म

छात्रों को दिखाई गई प्रेरणादायक फ़िल्म

(प्रेस विज्ञप्ति)

सिमेज कॉलेज में आयोजित हुआ उड़ीसा के प्रसिद्द 'गोटी पुअ' नृत्य का कार्यक्रम

उड़ीसा से आये विजय कुमार साहू तथा उनके दल ने दी प्रस्तुति

सिमेज कॉलेज में चैत्र नवरात्र के अवसर पर आज उड़ीसा के प्रसिद्द 'गोटी पुअ' नृत्य का कार्यक्रम आयोजित हुआ | इस कार्यक्रम का आयोजन सिमेज तथा स्पीक मैके के संयुक्त तत्वावधान में किया गया | इस अवसर पर उड़ीसा से आये विजय कुमार साहू तथा उनकी टीम ने अपनी कला से उपस्थित लोगों को झूमा दिया | उनके दल में उनके साथ 7 नृतक तथा 4 संगीतकार शामिल थे | उन्होने उड़ीसा के 400 साल पुराने ऐतिहासिक एवं प्रसिद्द नृत्य 'गोटी पुअ' का प्रदर्शन किया और उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया | इस कार्यक्रम को प्रस्तुत करने के लिए नृतकों तथा संगीतकारों का दल विशेष रूप से उड़ीसा से आया था | उन्होंने नृत्य के माध्यम से माँ दुर्गा की स्तुति की और उन्होंने कार्यक्रम के दौरान 'मंगलाचरण स्तुति पंचदेव स्तुति, तथा पल्लवी' के गायन पर 'गोटी पुअ' नृत्य प्रस्तुत किया |

इस अवसर पर विजय कुमार साहू के साथ, ढोलक पर अलोक कुमार दास, वायलिन पर निर्मल नायक तथा गायन में संगत देनें के लिए ऋतिक पात्रा मौजूद थे | साथ ही नृतक के रूप में दीपक कुमार महंता, तन्मय महंता, रुद्रा महंता, आनंद कुमार महंता, कुणाल प्रधान, जगमोहन साहू तथा उमेश चन्द्र बारीक मौजूद थे | महत्वपूर्ण बात यह थी कि सभी नृतक पुरुष थे लेकिन वे स्त्री नृतकों की वेश-भूषा में थे | उन्होने नृत्य के विभिन्न कलाओं का मंचन किया तथा उपस्थित जनसमूह की वाहवाही लूटी | पूरे नृत्य नाटक के दौरान कलाकारों ने सुर-ताल तथा नृत्य का अद्भुद संगम प्रस्तुत किया और सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया | उन्होंने नृत्य के दौरान गजब के लचक, कलाबाजी तथा अद्भुद शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया | उन्होंने सामूहिक तरीके से विभिन्न मुद्राओं का मंचन किया | इस दौरान छात्रों ने तालियों से कलाकारों की प्रतिभा को सराहा |

इसके पूर्व सिमेज के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल ने अतिथियों का कॉलेज में स्वागत किया | उन्होने छात्रों को संबोधित करते हुये कहा कि भारतीय क्लासिकल कला नृत्य कला अपने आप में विशेष है और पूरे विश्व में अनूठी है | इस अवसर पर सिमेज की निदेशिका मेघा अग्रवाल तथा डीन प्रो. नीरज पोद्दार भी मौजूद थे | इस अवसर पर कॉलेज के छात्र तथा सभी शिक्षक एवं कर्मचारी भी मौजूद थे |

उड़ीसा के प्रसिद्ध 'गोटी पुअ' नृत्य का कार्यक्रम

उड़ीसा के प्रसिद्ध 'गोटी पुअ' नृत्य का कार्यक्रम

उड़ीसा के प्रसिद्ध 'गोटी पुअ' नृत्य का कार्यक्रम

उड़ीसा के प्रसिद्ध 'गोटी पुअ' नृत्य का कार्यक्रम

(प्रेस विज्ञप्ति)

सिमेज समूह ने किया बिहार के पहले हयुम्नायड (रोबोट) को लॉन्च

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति के समक्ष सिमेज के छात्रों ने किया रोबोटिक्स तथा ऐप मेकिंग क्षमता का प्रदर्शन

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस सुमेध रोबो है बिहार का पहला ह्युमोनाइड रोबोट

सिमेज समूह के द्वारा बिहार के पहले हयुम्नायड (रोबोट) के अनावरण एवं उद्घाटन का कार्यक्रम दिनांक 30 अप्रैल 2024 को आयोजित किया गया | इसका उद्घाटन आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव द्वारा रिमोट से स्वीच ऑन कर किया गया | इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. शंकर कुमार तथा जर्नलिज्म एन्ड मॉस कम्युनिकेशन की विभाग प्रमुख डॉ. मनीषा प्रकाश, सिमेज के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल, निदेशिका मेघा अग्रवाल तथा डीन प्रो. नीरज पोद्दार के द्वारा पारंपरिक तरीके से द्वीप प्रजवल्लित कर संयुक्त रूप की गई |

कार्यक्रम के दौरान हयुम्नायड (रोबोट) 'सुमेध' ने छात्रों के द्वारा किये गए कोडिंग के अनुसार विभिन्न कार्यों को संचालित कर सबके सामने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया | हयुम्नायड (रोबोट) 'सुमेध' ने अतिथियों के पास जाकर, उन्हें पहचान कर, उन्हें गुलाब का फूल भेंट किया | हयुम्नायड (रोबोट) 'सुमेध' ने जब भारत का झंडा हाथ में बुलन्द कर आगे बढ़ना शुरू किया तो पुरे ऑडीटोरियम का माहौल अद्भुद उर्जा से लबरेज हो गया | रोबोट ने योगा इंस्ट्रक्टर की भूमिका निभाई, चल कर, नाच कर, घूम कर तथा लोगों के पूछे गए सवालों का जवाब देकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया तथा लोगों की खूब तालियाँ बटोरी | इस 6 फ़ीट ऊँचे अडवांस हयुम्नायड (रोबोट) को सिमेज समूह के छात्रों द्वारा प्रोग्राम किया गया है | इसके प्रोग्रामिंग में बी.सी.ए. छठे सत्र के छात्रों, उज्जवल कुमार, दीपक राज, दुर्गेश कुमार सिंह, नीरज झा, श्रेया सिंह, शांतनु पाण्डेय एवं बी.सी.ए. चौथे सत्र के छात्र उज्जवल पुष्प, सात्विक कुमार की मुख्य भूमिका रही | कॉलेज के द्वारा छात्रों को इस हयुम्नायड (रोबोट) को बनाने के लिए सभी प्रकार के संसाधन और प्रशिक्षण मुहैया कराये गए | छात्रो को देश के ख्यातिप्राप्त रोबोटिक्स एक्सपर्ट्स के द्वारा वर्कशॉप के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया | यह हयुम्नायड 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस' से तथा 'मशीन लर्निंग' की क्षमताओं से लैस है और लोगों के पूछे हुए सवालों का जवाब अपने डेटाबेस और ऑनलाइन रिसोर्सेज के आधार पर दे सकता है | साथ ही यह इंडस्ट्रियल कैपेबिलिटीज़ से भी लैस है तथा इसमें 8 एक्सिस तथा इंडस्ट्रियल मोटर्स लगे हुए हैं | मोशन सेंसर तथा अल्ट्रासोनिक सेंसर से युक्त यह रोबोट एजुकेशनल पर्पस के लिए तैयार किया गया है | इसे सुचना तकनीक के छात्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह कस्टमाइज्ड किया गया है ताकि इस पर काम करके सिमेज के छात्र रोबोटिक्स को बेहतर तरीके से सीख सकें | यह रोबो एक साथ कई काम करने की दक्षता रखता है, जैसे कि यह एक रोबो शिक्षक, योग शिक्षक, रोबो गाइड तथा डी.जे. का भी काम कर सकता है | यह इवेंट की एंकरिंग कर सकता है तथा न्यूज़ भी प्रेजेंट कर सकता है | साथ ही जरुरत पड़ने पर यह नाच कर लोगों का मनोरंजन भी कर सकता है और लोगों को नाश्ता भी सर्व कर सकता है |

इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव ने कहा कि 'सिमेज के छात्रों का प्रदर्शन सराहनीय है | उन्होंने कहा कि सिमेज के छात्रों में यह क्षमता दिख रही है कि ये छात्र सिमेज तथा विश्वविद्यालय का नाम देश ही नहीं विदेशों में भी रोशन कर सकते हैं | कॉलेज कैम्पस का विजिट करने के बाद उन्होंने कहा कि सिमेज एक वायब्रेंट कैम्पस है | उन्होंने सिमेज के छात्रों के आई.आई.टी – बी.एच.यु. के राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता में विजेता बनने का जिक्र करते हुए कहा कि कहा कि सिमेज के छात्रों ने केवल पढाई-लिखाई तथा प्लेसमेंट ही नहीं, बल्कि खेल-कूद में भी उल्लेखनीय सफलताएँ हासिल की है और अब उन्हें आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रतियोगिताएं में भी बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए | उन्होंने कहा कि इस रोबोट को बनाने के बाद सिमेज के छात्रों को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अब इंडस्ट्रियल फ्रेंडली रोबोट्स को बनाना चाहिए | उन्होंने सिमेज के छात्रों के इस प्रदर्शन को विश्वविद्यालय के वेबसाईट पर प्रदर्शित करने का इरादा प्रकट किया | वहीँ कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. शंकर कुमार तथा जर्नलिज्म एन्ड मॉस कम्युनिकेशन की विभाग प्रमुख डॉ. मनीषा प्रकाश भी सिमेज के छात्रों की प्रतिभा से प्रभावित दिखे तथा उन्होंने भी सिमेज के छात्रों की प्रतिभा की तारीफ की |

इस अवसर पर सिमेज समूह के बी.सी.ए. के तृतीय वर्ष के छात्र अंशु भारती एवं विवेक कुमार ने अपने बनाये गए एजुकेशनल ऐप 'अटेंडेंस सिस्टम यूजिंग फेशियल रिकोग्निशन सिस्टम' का प्रदर्शन किया | जिसमें छात्रों ने कई अडवांस फीचर्स शामिल किये थे | इस ऐप में फेस रिकोग्निशन का भी फ़ीचर शामिल था | वहीँ दूसरे समूह में बी.सी.ए. के तृतीय वर्ष के छात्र सौरभ दर्शन, नीरज झा, शिवम वर्मा एवं श्रेया सिंह ने विश्विद्यालय के लिए बनाये गए ऐप 'इन्फोर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम फॉर ए.के.यू.' का प्रदर्शन किया | कुलपति छात्रों की प्रतिभा से प्रभावित हुए तथा उन्होंने छात्रों के ऐप को बहुत ध्यान से देखा तथा छात्रों से सवाल जवाब-कर छात्रों द्वारा बनाये गए ऐप के बारे से सूक्ष्मता से जानकारी प्राप्त की तथा उसे और बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव दिए | इसके साथ ही, कॉलेज में 2021-24 सत्र के प्लेसमेंट पाए छात्रों को, कॉलेज में सत्र के दौरान उल्लेखनीय उपस्थिति रखने वाले छात्रों को, ऐप बनाने वाले छात्रों को तथा आई.आई.टी. के स्पोकन ट्युटोरियल प्रोजेक्ट में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया |

इस अवसर पर सिमेज के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कई अन्य छात्रों ने और भी एप्स जैसे इलेक्ट्रिक व्हेकिल चार्जिंग स्टेशन फाइंडर, वाटर ऐप तथा किसानो के लिए खरीद-बिक्री का मोबाईल बनिया ऐप एवं कई अन्य ऐप भी बनाये हैं | उन्होंने कहा कि सिमेज के छात्र को सभी अत्याधुनिक सुविधाएँ मिलें ताकि वे हमेशा अपने आपको सुचना तकनीक की नयी तकनीकों को सीख कर अपडेटेड रख सकें, यही सिमेज समूह का प्रयास है | यही वजह है कि सिमेज कॉलेज ने बिहार में सबसे पहला आधुनिकतम ह्युमनायड बिल्ड किया है | इसका नाम 'सुमेध' इसलिए रखा गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में जब ए.आई. एक खतरा बनकर उभर रहा है तो वैसे में ए.आई. का सदुपयोग हो, यह आवश्यक है | सुमेध रोबो ए.आई. के उस सदुपयोग का प्रतीक है | उन्होंने बताया कि फ़ाइनल एयर के छात्रों को प्रोजेक्ट के तौर पर यह प्रोजेक्ट बनाने का कार्य दिया गया था | छात्रों ने जिन तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए इन ऐप्स को डेवलप किया वो विश्वविद्यालय के सिलेबस में नहीं है, परन्तु आने वाले समय की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सिमेज के छात्रों को विश्विद्यालय कोर्स के साथ ही कई अन्य ऐड-ऑन कोर्स भी कराये जाते हैं, ताकि सिमेज समूह के छात्र सुचना तकनीक के क्षेत्र में हमेशा अपने आपको अद्यतन पायें तथा अच्छी आई.टी.कंपनियों में जॉब पा सकें | कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन सिमेज की निदेशिका मेघा अग्रवाल ने किया जबकि मंच सञ्चालन मिलिंद कुमार, आकृति कुमारी तथा प्रिया सोनी द्वारा किया गया |

बिहार के पहले हयुम्नायड (रोबोट) को लॉन्च

बिहार के पहले हयुम्नायड (रोबोट) को लॉन्च

बिहार के पहले हयुम्नायड (रोबोट) को लॉन्च

(प्रेस विज्ञप्ति)

सिमेज में वर्ष 2024 में नामांकित छात्रों के लिए आयोजित किया गया इन्डक्शन कार्यक्रम

'सफलता के लिए ज़रूरी लक्ष्य के प्रति समर्पण'

इन्डक्शन कार्यक्रम के दौरान प्रेरणादायक सत्र से उत्साहित हुए छात्र |

'कॉलेज में बिताए हुये 3 साल भविष्य की बुनियाद रखेंगे'

राज्य में जहाँ कॉलेजों में वर्ष 2024 में जहाँ अभी ठीक से नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हुई है, वहीं सिमेज कॉलेज में न सिर्फ छात्रों का नामांकन शुरू हो चुका है बल्कि दो बैचेज़ भी बन चुकी है और छात्रों के 2024-27 सत्र की पढ़ाई भी शुरू हो चुकी है | सत्र की विधिवत शुरुआत से पहले आज उनका इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया | सिमेज द्वारा आयोजित 'इन्डक्शन 2024' कार्यक्रम में सत्र 2024-27 के बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.एस.सी.- आई.टी. तथा सत्र 2024-26 पी.जी.डी.एम. के सभी छात्र शामिल हुये |

इस अवसर पर छात्रों से खचाखच भरे सिमेज के ऑडिटोरियम में छात्रों को संबोधित करते हुये सिमेज समूह के निदेशक प्रोफेसर नीरज अग्रवाल ने कहा कि 'सिमेज में छात्रों को तीन साल लर्नर की भूमिका में रहना है और याद रखना है कि लर्निंग की कोई सीमा नहीं होती है, छात्रों को सीमाओं को चुनौती देनी है और उसके आगे जाना है | उन्होने छात्रों को पी.डी.एफ. यानि पैशन, डेडिकेशन और फोकस का मंत्र दिया | उन्होंने छात्रों को सकारात्मक सोचने का मन्त्र दिया | उन्होंने छात्रों को जीवन में एक 'लक्ष्य' बनाने का मन्त्र दिया और फिर उसे प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयत्न करने की सलाह दी |

इन्डक्शन कार्यक्रम के दौरान छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए सिमेज के निदेशक प्रोफेसर नीरज अग्रवाल ने कहा कि 'हमारे जीवन में कॉलेज के दौरान बिताये गए समय का काफी महत्वपूर्ण स्थान होता है और कॉलेज के दिनों ने छात्रों को स्वच्छंद होने के बजाये और ज्यादा अनुशाषित होने की जरुरत होती है | क्योंकि छात्रों की ज़िन्दगी में आने वाले अगले तीन साल, भविष्य के लिए बुनियाद का कार्य करेंगे | उन्होंने सिमेज के मूल मंत्र 'नॉलेज, स्किल और सक्सेस' का जिक्र करते हुए कहा कि 'सिमेज का लक्ष्य छात्रों को बेहतर एजुकेशन देने के साथ साथ, उसमे दक्षता भी विकसित करना है, वहीं उन्हें 'सफल' बनाना भी है |

इसके पूर्व कार्यकम की शुरुआत करते हुए सिमेज के डीन प्रोफेसर नीरज पोद्दार में नए छात्रों का कॉलेज में स्वागत किया एवं उन्हें कॉलेज की परंपरा एवं उपलब्धियों से परिचित कराया | उन्होंने छात्रों को उनकी ज़िम्मेवारियों के प्रति सचेत किया एवं उनके कर्तव्यो का बोध दिलाया | उन्होने कहा कि 'उन्होंने कहा कि सिमेज कॉलेज में छात्रों को ह्युमन वैल्यू एवं भारतीय मूल्यों से जोड़े रखा जाता है| इस अवसर सिमेज की डायरेक्टर – ऑपरेशन मेघा अग्रवाल,कॉलेज के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी भी मौजूद थे |

धन्यवाद सहित |

इन्डक्शन कार्यक्रम

इन्डक्शन कार्यक्रम

इन्डक्शन कार्यक्रम

(प्रेस विज्ञप्ति)

सिमेज कॉलेज में आयोजित हुआ चेलो वादन का संगीतमय का कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय स्तर की कलाकार नीदरलैंड की चेलो वादिका 'शास्कीय राव-दे हस' ने दी प्रस्तुति

सिमेज कॉलेज में आज चेलो वादन के संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन हुआ | इस कार्यक्रम का आयोजन सिमेज समूह तथा स्पीक मैके के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था | इस अवसर पर नीदरलैंड की चेलो वादिका 'शास्कीय राव-दे हस' ने पश्चिमी वाद्य यंत्र चेलो पर संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया | उन्होंने विश्व के कई प्रमुख शहरों में अपनी कला का प्रदर्शन किया है | 'शास्कीय राव-दे हस' मशहूर बाँसुरी वादक पण्डित हरी प्रसाद चौरसिया की शिष्या हैं, जिनकी कला की तारीफ करते हुए पण्डित हरी प्रसाद चौरसिया ने कहा था कि 'उन्हें ईश्वर ने सिखाया है |'

इस अवसर पर उनके साथ तबला पर मुंबई से आये पण्डित मिथिलेश झा ने जबर्दस्त संगत कर समां बांध दिया | वे बनारस घराने के प्रसिद्ध गुरु पण्डित बुलबुल महाराज जी के शिष्य हैं | दोनों कलाकारों ने इस अवसर पर चेलो तथा तबला पर सुर-ताल का अद्भुद संगम प्रस्तुत किया और सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया | इन दोनों ने कई मौको पर अपनी संयुक्त जुगलबंदी से समा बाँध दिया |

कार्यक्रम के बाद छात्रों से बात करते हुए नीदरलैंड की चेलो वादिका 'शास्कीय राव-दे हस' ने कहा कि भारतीय शाश्त्रीय संगीत लोगों की आत्मा तक पहुँचता है | उन्होंने कहा कि भारतीय शाश्त्रीय संगीत लोगों के बाएँ और दाएँ, दिमाग के दोनों हिस्सों में बेहतर सामंजस्य बिठाने में मदद करता है | इसके साथ ही उन्होंने छात्रों से भारतीय शाश्त्रीय संगीत के बारे में चर्चा की तथा भारतीय शाश्त्रीय संगीत की खूबियों से उन्हें परिचित कराया | इसके साथ ही उन्होंने कई भारतीय शाष्त्रीय रागों का प्रदर्शन किया, जिसका छात्रों ने भरपूर लुत्फ़ उठाया |

इसके पूर्व सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया | उन्होने छात्रों को संबोधित करते हुये कहा कि 'सोशल मीडिया, रील्स तथा शॉर्ट्स के ज़माने में आजकल के युवाओं में एकाग्रता की कमी देखने को मिल रही है | भारतीय क्लासिकल संगीत छात्रों को एकाग्रता विकसित करने में मदद करता है | इस अवसर पर सिमेज की निदेशिका हेड मेघा अग्रवाल तथा डीन नीरज पोद्दार तथा स्पीक मैके के बिहार के स्टेट कोर्डीनेटर मनीष ठाकुर तथा रंजीत निर्गुणी भी मौजूद थे | इस अवसर पर छात्रों ने कार्यक्रम की भरपूर तारीफ की और खूब आनंद लिया एवं अंत में प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपने सवालों को पुछ कर अपनी जिज्ञासा शांत की |

चेलो वादन का संगीतमय का कार्यक्रम

चेलो वादन का संगीतमय का कार्यक्रम

चेलो वादन का संगीतमय का कार्यक्रम

सिमेज कॉलेज में मनाया गया फ़िल्म फेस्टिवल

कॉलेज में उल्लेखनीय उपस्थिति वाले छात्रों को दिखाई गई प्रेरणादायक फिल्में

‘12th फ़ेल’, ‘श्रीकांत’, ‘मिशन रानीगंज’ और ‘रॉकेट सिंह – सेल्समैन ऑफ़ द ईयर’ का हुआ प्रदर्शन

फ़िल्मों के बाद हुआ केस अनेलेसिस

सिमेज द्वारा छात्रों के लिए कॉलेज में दो दिवसीय फ़िल्म फेस्टिवल का आयोजन दिनांक 31 जुलाई तथा 1 अगस्त को किया गया | इस फ़िल्म फेस्टिवल में छात्रों को चार प्रेरणादायक फ़िल्में ‘12th फ़ेल’, ‘श्रीकांत’, ‘मिशन रानीगंज’ और ‘रॉकेट सिंह – सेल्समैन ऑफ़ द ईयर’ दिखाई गई | इस फ़िल्म को दिखाने के लिये पुरे कॉलेज से MBA. BBA, BCA, B.Sc.IT तथा B.Com.(P) छात्रों का चयन कॉलेज में उनकी क्लास में उपस्थिति, क्लास में छात्रों के प्रदर्शन तथा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज़ में उनकी भागीदारी के आधार पर किया गया | फ़िल्म के दौरान छात्रों के लिए कोल्डड्रिंक, चिप्स तथा पोपकोर्न की भी व्यवस्था की गई थी, जिसका छात्रों ने भरपूर लुत्फ़ उठाया | फ़िल्म के समापन के पश्चात ऑडीटोरियम में ही एक विशेष सेशन आयोजित कर, केस स्टडी के माध्यम से इस हर फ़िल्म को डिसकस किया गया और उनके विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसके माध्यम से कई नई चीज़ें निकल कर आईं | छात्रों ने फ़िल्म के दौरान अपने नोट्स भी बनाये थे, जिनके बिन्दुओं को तथा अपने ऑब्जरवेशन को छात्रों ने प्रस्तुत किया | इस अवसर पर सिमेज समूह के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल, निदेशिका मेघा अग्रवाल तथा डीन प्रो. नीरज पोद्दार भी मौजूद थे |

इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए सिमेज के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल ने बताया कि ‘सिमेज द्वारा आयोजित इस फ़िल्म फेयर में दिखाये जाने वाले फिल्मों का चयन इन फिल्मों की खूबियों की वजह से किया गया था | ये तीनों फ़िल्में सच्ची घटनाओं से प्रेरित हैं और इन फिल्मों से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है और ये फ़िल्में छात्रों के जीवन में प्रेरणास्रोत का काम कर सकती हैं | ‘12th फ़ेल’, ‘श्रीकांत’, ‘मिशन रानीगंज’ फिल्मों में नायक द्वारा ‘समस्या या हार’ को ‘समस्या या हार’ के रूप में नहीं लेकर एक ‘चुनौती’ के रूप में लिया गया है और तमाम बाधाओं के बावजूद नायक का खुद पर यह दृढ विश्वास कि ‘जीत संभव है’, ही उसे विशेष बनाता है | वह हार नहीं मानता - वह प्रयास करता है और अंत में सफलता उसे मिलती है | इसकी प्रकार हमें भी जीवन में खुद पर भरोसा रखना चाहिए, मुश्किल वक्त में भी सकारात्मक सोचना चाहिए | इन सभी फिल्मों में नायक के ‘जीतने का जज्बे’ और तमाम बाधाओं के बावजूद भी ‘अपने सपने को पूरा करने की कहानी’ बहुत प्रेरणादायक है और जीवन में असाधारण सफलता पाने के लिए ऐसे ही मजबूत संकल्प की जरुरत पड़ती है |

'मिशन रानीगंज' 34 साल पहले हुई एक सच्ची घटना पर आधारित है जब माइनिंग इंजीनियर जसवंत सिंह गिल ने 1989 में पश्चिम बंगाल में रानीगंज कोयले की खान में फंसे 65 मजदूरों को अति विषम परिस्थियों में बाहर निकालकर उनकी जान बचाई थी | उन्होंने वहां फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए एक अलग तरह का कैप्सूल बनाया था इसलिए उन्हें कैप्सूल मैंन के नाम से भी जाना जाता है | जबकि 12th फ़ेल एक छोटे से गांव में पैदा हुए मनोज कुमार शर्मा की कहानी है, जिन्होंने अपनी 12वीं की परीक्षा पास नहीं की थी, लेकिन उन्होंने अपने सपनों को नहीं छोड़ा और UPSC की परीक्षा पास करने के लिए कड़ी मेहनत की और अंत में IPS बनाने में सफल हुए | फिल्म उनकी इस यात्रा को दर्शाती है, जिसमें उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी | वहीँ फिल्म 'श्रीकांत', दृष्टिबाधित दिग्गज श्रीकांत बोला की प्रेरणादायक कहानी है | यह उनके दृढ़ता और सपनों की कहानी है। तमाम बाधाओं और चुनौतियों के बीच, श्रीकांत बोला ने मैसेचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) में जाकर पढ़ाई की और आगे चलकर श्रीकांत बोला ने बोलैंट इंडस्ट्रीज की स्थापना की | वहीँ ‘रॉकेट सिंह – सेल्समैन ऑफ़ द ईयर’ फ़िल्म, कॉलेज से काफी कम मार्क्स के साथ उतीर्ण छात्र की कहानी है, जिसने तमाम आलोचनाओं एवं अपने वरीय तथा सहकर्मियों के असहयोग के बावजूद अपने आपको साबित किया और बाद में सभी ने उसकी क्षमताओं को स्वीकार किया और हरप्रीत सिंह उर्फ रॉकेट सिंह बनता है ‘सेल्समैन ऑफ द इयर’ ।

सिमेज कॉलेज में मनाया गया फ़िल्म फेस्टिवल

सिमेज कॉलेज में मनाया गया फ़िल्म फेस्टिवल

सिमेज कॉलेज में मनाया गया फ़िल्म फेस्टिवल